Roll No. ....

D–3499

M. A. (Final) EXAMINATION, 2020

PHILOSOPHY

(Optional)

Paper Fourth (A)

(शंकर का अद्वैत वेदान्त)

Time : Three Hours] [*Maximum Marks : 100*

नोट : सभी **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक इकाई से **एक** प्रश्न करना अनिवार्य है। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

Attempt all the *five* questions. *One* question from each Unit is compulsory. All questions carry equal marks.

इकाई—1

(UNIT—1)

1. अविद्या की व्याख्या कीजिए। अविद्या एवं माया में अन्तर बताइए।

Explain Avidyā. Distinguish Avidyā and Māyā.

अथवा

(*Or*)

विवर्तवाद की व्याख्या कीजिए। यह अद्वैत मत के लिए क्यों अपरिहार्य है ? समझाइए।

Explain Vivartavāda. Why is it mandatory for Advaitism ? Discuss.

इकाई—2

(UNIT—2)

2. ‘अयमात्मा ब्रह्म’ की व्याख्या कीजिए।

Explain ‘Ayamātmā Brahaman’.

अथवा

(*Or*)

जगत् की स्थिति बताइये। ब्रह्म और जगत् में सम्बन्ध बताइए।

Describe status of the world. Describe relation between Brahman and Jagat (World).

इकाई—3

(UNIT—3)

3. ‘अथातो ब्रह्म जिज्ञासा’ की व्याख्या कीजिए।

Explain ‘Athato Brahmajijñāsā’.

अथवा

(*Or*)

‘तत्तु समन्वयात्’ को समझाइए।

Discuss the ‘Tattu Samanvayāta’.

इकाई—4

(UNIT—4)

4. शंकराचार्यकृत सांख्य मत की आलोचना को समझाइए।

Discuss criticism of Sāmkhya done by Śaṅkarācārya.

अथवा

(*Or*)

वैशेषिक परमाणुवाद की आलोचना शंकराचार्य किस प्रकार करते हैं ? समझाइए।

How does Śaṅkarācārya criticise atomism of Vaishesikas ? Discuss.

इकाई—5

(UNIT—5)

5. शंकर के मायावाद पर रामानुज की सप्तनुपपत्तियों की समीक्षा कीजिए।

Examine Saptanupapattis of Rāmānuja on Māyāvāda of Śaṅkara.

अथवा

(*Or*)

रामानुज द्वारा शंकर मत की आलोचना का मूल कारण बताइए।

Describe basic reason of Rāmānuja’s criticism of Śaṅkara view.